# राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2024

## “प्रेस का बदलता स्वरूप”

## (सूचना और प्रसारण मंत्रालय)

15 नवंबर 2024

**भूमिका**

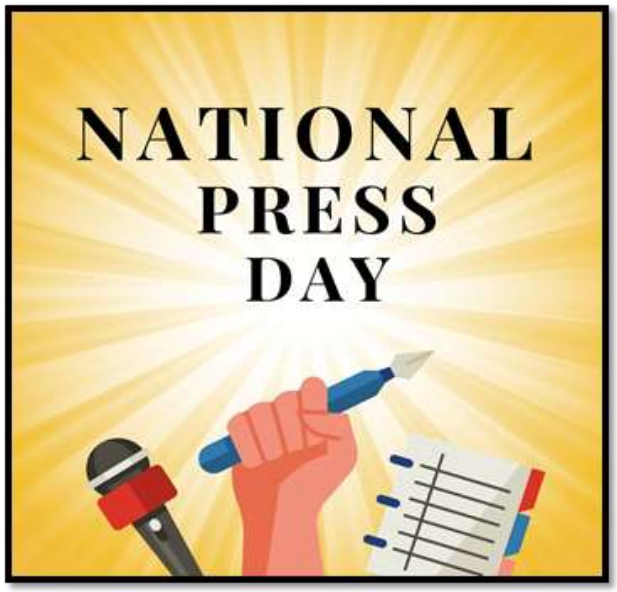


मीडिया को अक्सर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में जाना जाता है। यह जनता की राय को आकार देने, विकास को गति देने और सत्ता को जवाबदेह बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रगति के एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में, यह आवश्यक है कि प्रेस पूर्वाग्रह से मुक्त रहे और जनता को सूचित व शिक्षित करने के अपने कर्तव्यों का पालन करे। वर्षों से, मीडिया लाखों लोगों के हितों की रक्षा करने और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। इसके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता प्रदान करने हेतु हमारे समाज में स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की आवश्यक भूमिका का सम्मान करते हुए, हर साल 16 नवंबर को ‘राष्ट्रीय प्रेस दिवस’ मनाया जाता है।

**राष्ट्रीय प्रेस की स्वतंत्रता का मूल**

16 नवंबर को मनाया जाने वाला 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' उस दिन की याद दिलाता है जब 1966 में भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) ने अपना कामकाज शुरू किया था। एक स्वतंत्र निकाय के रूप में स्थापित, पीसीआई की प्राथमिक भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि प्रेस बाहरी प्रभावों से मुक्त रहते हुए पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखे। इस परिषद की स्थापना का विचार पहली बार **1956 में प्रथम प्रेस आयोग** द्वारा सुझाया गया था। इस आयोग ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने और नैतिक रिपोर्टिंग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया था। अपने गठन के बाद से, पीसीआई ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां तक कि मीडिया द्वारा बिना किसी डर या हस्तक्षेप के काम कर सकना सुनिश्चित करने हेतु यह राज्य के कार्यों पर अंकुश रखता है। यह दिवस लोकतंत्र के केन्द्र में एक स्वतंत्र एवं जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है। **पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार** और एक **स्मारिका** के विमोचन सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इस दिवस को मनाया जाता है।

- प्रिंट मीडिया में उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने हेतु पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले ये पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले असाधारण पत्रकारों को सम्मान स्वरुप दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों में प्रतिष्ठित **राजा राम मोहन राय पुरस्कार** सर्वोच्च सम्मान है।
- स्मारिका संबंधित वर्ष की थीम पर प्रमुख नेताओं के सद्भावना संदेशों और मीडिया विशेषज्ञों व शिक्षाविदों की राय का संकलन होती है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जारी की जाने वाली यह स्मारिका हर वर्ष के पुरस्कार विजेताओं की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डालती है और सम्मानित किए जाने वाले लेखों और तस्वीरों के माध्यम से उनके उत्कृष्ट कार्यों को प्रदर्शित करती है।

प्रत्येक वर्ष, राष्ट्रीय प्रेस दिवस उन महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालता है जो मीडिया की उभरती चुनौतियों और जिम्मेदारियों को दर्शाते हैं।

**राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2024 का उत्सव**

इस वर्ष, राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवंबर 2024 को नई दिल्ली के राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में शाम 4:00 बजे से मनाया जाएगा। इस वर्ष के आयोजन का विषय **"प्रेस का बदलता स्वरूप"** है, जो मीडिया परिदृश्य के उभरते आयामों को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा माननीय सूचना और प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन उपस्थित रहेंगे। वरिष्ठ पत्रकार पद्म भूषण श्री कुंडल रमणलाल व्यास इस समारोह के सम्मानित अतिथि होंगे। इस समारोह की अध्यक्षता भारतीय प्रेस परिषद की माननीय अध्यक्ष श्रीमती न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई करेंगी।

**मीडिया के लोकतंत्र का सशक्तिकरण: प्रेस परिषद का प्रभाव**

भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की स्थापना पहली बार 1966 में प्रथम प्रेस आयोग की सिफारिशों के बाद भारतीय प्रेस परिषद अधिनियम, 1965 के तहत की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को संरक्षित करना और पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखना था। हालांकि, 1975 में आपातकाल के दौरान परिषद को भंग कर दिया गया था और एक नए अधिनियम, प्रेस परिषद अधिनियम, 1978 ने 1979 में पीसीआई को फिर से स्थापित किया और वैधानिक अधिकार के साथ एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय के रूप में इसकी भूमिका की पुष्टि की।

परिषद में एक अध्यक्ष (आमतौर पर सर्वोच्च न्यायालय का एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश) और 28 सदस्य होते हैं। इन सदस्यों में पत्रकार, मीडिया प्रतिष्ठानों के मालिक, सांसद और शिक्षा, कानून एवं साहित्य जगत के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इसे प्रेस की स्वतंत्रता, पत्रकारीय नैतिकता एवं लोक आंकाक्षाओं से संबंधित मुद्दों पर मध्यस्थता करने और प्रेस को प्रभावित करने वाले कानूनों पर सिफारिशें देने का अधिकार है।

यह स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई कर सकता है या अनैतिक रिपोर्टिंग या प्रेस की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप से संबंधित शिकायतों की जांच कर सकता है। इसके निर्णय अंतिम होते हैं और इन्हें किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती। पिछले कुछ वर्षों में, पीसीआई ने भारतीय पत्रकारिता के नैतिक ढांचे को आकार देने और मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

**प्रेस को सशक्त बनाने संबंधी पहल**

**भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई)** ने अपनी स्थापना के बाद से प्रेस की स्वतंत्रता के परिदृश्य को आकार देने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है कि भारत में मीडिया स्वतंत्र रहते हुए उच्च नैतिक मानकों को कायम रखे। यहां पिछले कुछ वर्षों में परिषद के प्रमुख गतिविधियों और पहलों का संक्षिप्त विवरण दिया गया है:

**2023:**

एलजीबीटीक्यू+ समुदाय का प्रतिनिधित्व: पीसीआई ने निष्पक्ष और जिम्मेदार कवरेज को बढ़ावा देने हेतु मीडिया में एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के प्रतिनिधित्व पर एक रिपोर्ट को स्वीकार किया।

प्राकृतिक आपदाओं पर रिपोर्टिंग से संबंधित दिशानिर्देश: परिषद ने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान समाचार कवर करने वाले मीडिया पेशेवरों के लिए दिशानिर्देश तैयार किए, जिसमें रिपोर्टिंग में संवेदनशीलता और सटीकता पर जोर दिया गया।

**2022:**

पीसीआई ने पत्रकारीय आचरण से संबंधित अपने मानदंडों को अद्यतन करके पत्रकारीय नैतिकता की अपनी हिमायत जारी रखी और यह सुनिश्चित किया कि पत्रकार पेशेवर और नैतिक मानकों का पालन करें।

**2004-2000:**

इन वर्षों के दौरान, पीसीआई ने मीडिया की नैतिकता, लोकतंत्र, आपदा प्रबंधन में मीडिया की भूमिका और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे कई मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया।

**अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़ाव:**

• पीसीआई वैश्विक मंचों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदानों में सक्रिय भागीदार रहा है। इसने प्रेस की स्वतंत्रता और शांति पत्रकारिता के मुद्दे पर सीमा पार सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, इंडोनेशिया और म्यांमार जैसे देशों के मीडिया परिषदों के साथ काम किया है।

• दक्षिण एशिया के विभिन्न प्रेस परिषदों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने हेतु साउथ एशियन अलायंस ऑफ प्रेस काउंसिल्स (एसएएपीसी) की भी स्थापना की गई।

**समझौता ज्ञापन (एमओयू):**

• पीसीआई ने इंडोनेशिया, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों की प्रेस परिषदों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर प्रेस की स्वतंत्रता को आगे बढ़ाना है।

**इंटर्नशिप कार्यक्रम और शैक्षिक पहल:**

• पीसीआई ने प्रेस की स्वतंत्रता के संबंध में जिम्मेदारी की भावना और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए योग्यता-आधारित इंटर्नशिप की शुरुआत की। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम (एसआईपी) और शीतकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम (डब्ल्यूआईपी) विद्यार्थियों को पीसीआई के काम से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

पीसीआई की विविध गतिविधियां और पहल प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने, नैतिक मानकों को बनाए रखने और भारत एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों के पेशेवर विकास का समर्थन करने से संबंधित इसकी प्रतिबद्धताओं को दर्शाती हैं।

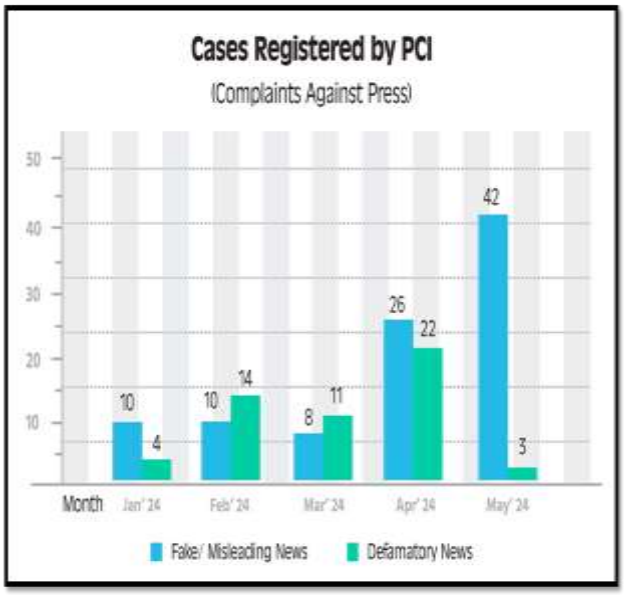

**परिषद द्वारा पिछले कुछ वर्षों के दौरान सुलझाए गए मुद्दे**

भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने और पत्रकारिता में नैतिक मानकों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन वर्षों में, इसने कई मुद्दों का समाधान किया है। इनमें प्रेस मानदंडों के उल्लंघन और प्रेस की स्वतंत्रता के लिए खतरों से संबंधित शिकायतों का समाधान करना शामिल है। **1979 और 2024 के बीच 37,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं।** परिषद पत्रकारों को अपने आचरण को नियंत्रित करने में मदद देने के लिए दिशानिर्देश एवं सिद्धांत जारी करने में सहायक रही है और राष्ट्रीय संकट के समय में मीडिया की जिम्मेदारी के संबंध में लगातार अपील की है। इसके अतिरिक्त, पीसीआई ने चुनाव कवरेज, रक्षा से संबंधित प्रेस रिपोर्टिंग और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे प्रमुख विषयों पर अध्ययन किया है, जो भारत में मीडिया के मानकों के विकास में योगदान दे रहा है।

**निष्कर्ष**

राष्ट्रीय प्रेस दिवस हमारे लोकतंत्र को आकार देने में प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। अपनी स्थापना के बाद से, भारतीय प्रेस परिषद ने प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने, पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखने और मीडिया के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में अथक प्रयास किए हैं। मीडिया नैतिकता और प्रेस सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने से लेकर डिजिटल युग के अनुरूप ढलने तक, परिषद जनता को सूचित करने, शिक्षित करने और सशक्त बनाने के अपने मिशन में मीडिया का मार्गदर्शन और समर्थन करना जारी रखा है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस न केवल प्रेस की उपलब्धियों का उत्सव मनाता है, बल्कि एक अपेक्षाकृत अधिक सूचित एवं पारदर्शी समाज के निर्माण में उसकी जिम्मेदारी को भी मजबूत करता है ताकि पत्रकारिता के भविष्य का मजबूत, स्वतंत्र और जिम्मेदार बने रहना सुनिश्चित हो।

**संदर्भ**


- https://www.presscouncil.nic.in/NationalPressDay.aspx
- https://www.presscouncil.nic.in/ViewPdfContent.aspx?Page=PressRelease&Title=1105#:~:text=P.C.I.%20will%20be%20observing%20National,and%20Broadcasting%2C%20Shri%20Ashwini%20Vaishnaw.
- https://www.presscouncil.nic.in/IntroductioPCI.aspx
- https://www.presscouncil.nic.in/ResumeOfPCI.aspx
- https://presscouncil.nic.in/MonthlyStatistics.aspx (Month Wise Case Registered)

***

**एमजी / केसी / आर / डीए**

**(Backgrounder ID: 153422)**